Entrepreneurship Development Institute of India
Ahmedabad

**Publication:** Prabhat
**Date:** 11 March 2026
**Edition:** Print

# ઉદ્યોગસાહસિકતા શિક્ષણ ભારતના ઉદ્યોગસાહસિક પરિતંત્રના ઘડતરમાં અગ્રણી ભૂમિકા ભજવે છે

ઉદ્યોગસાહસિકતાએ ભારતીય અર્થવ્યવસ્થા અને સમાજમાં અત્યંત મહત્વપૂર્ણ સ્થાન પ્રાપ્ત કર્યું છે. મજબૂત જાહેર નીતિઓ અને સુદ્રઢ શાસન પ્રણાલીઓ વિકાસને પોષણ આપે છે અને તેને [illegible] રચનાત્મક અને સકારાત્મક દિશામાં માર્ગદર્શન આપે છે. આ શાખાએ વિકાસની વ્યૂહરચના તરીકે પોતાની અસરકારક શક્તિ સાબિત કરી છે, જે સંસાધનોના કાર્યક્ષમ સંકલન, માનવ સંસાધનો, મૂડી, કુશળતા અને અન્ય મહત્વપૂર્ણ સાધનોની શક્તિના સમન્વય દ્વારા ઉદ્યોગ સ્થાપિત કરે છે; જે પરિણામે ગરીબી નિવારણ, રોજગાર સર્જન અને દેશના કુલ ઘરેલુ ઉત્પાદન (જીડીપી)માં વૃદ્ધિમાં યોગદાન આપે છે.

કાર્યક્રમ ઉદ્યોગસાહસિક કુશળતા, બજાર વિશે સચોટ સમજ, ટકાઉ નાણાકીય વ્યવસ્થાપન અને સ્પષ્ટ વ્યાપાર મોડલ કોઈપણ વ્યવસાયને સરળતાથી વિસ્તૃત કરવામાં સહાયરૂપ બને છે. રચનાત્મક વર્ગખંડ તાલીમ, પ્રાયોગિક માર્ગદર્શન અને વાસ્તવિક બજાર અનુભવો સાથે જોડાઈને, સ્ટાર્ટઅપની સફળતાની શક્યતાઓમાં નોંધપાત્ર વધારો કરે છે.

એન્ટરપ્રેન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ ઇન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઇન્ડિયા – ઇડીઆઈઆઈ, અમદાવાદ ભારતના ઉદ્યોગસાહસિક પરિતંત્રને આકાર આપવા અને તેને મજબૂત બનાવવા માટે અગ્રણી અને કેન્દ્રિય ભૂમિકા ભજવી રહી છે. ઇડીઆઈઆઈ પાસે ઉદ્યોગસાહસિકતા શિક્ષણ, તાલીમ, કુશળતા વિકાસ, સૂક્ષ્મ, લઘુ અને મધ્યમ ઉદ્યોગો (એમએસએમઈ)ના વિકાસ, સ્ટાર્ટઅપ, નવીનતા અને સંસ્થાગત નિર્માણ ક્ષેત્રોમાં ૪૦ વર્ષથી વધુનો સમૃદ્ધ અનુભવ છે. ભારત સરકારના કુશળતા વિકાસ અને ઉદ્યોગસાહસિકતા મંત્રાલય દ્વારા તેને કુશળતા પરિતંત્રમાં 'સેન્ટર ઓફ એક્સેલન્સ' તરીકે માન્યતા આપવામાં આવી છે.

ઇડીઆઈઆઈ માને છે કે ઉદ્યોગસાહસિકતા શિક્ષણ માત્ર વ્યવસાયો તૈયાર કરવા માટે રચાયેલું નથી; તે માલિક-વ્યવસ્થાપકો, કુટુંબ વ્યવસાયના ઉત્તરાધિકારીઓ, ઇન્ટ્રાપ્રેન્યોર્સ અને સમુદાયમાં પરિવર્તન લાવનાર આગેવાનો તૈયાર કરવા માટે રચાયેલું છે.

**Publication:** Swadesh
**Date:** 11 March 2026
**Edition:** Print

# उद्यमिता पारितंत्र को आकार देने में उद्यमिता शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका

**अहमदाबाद** । भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद ने भारत के उद्यमिता पारितंत्र को आकार देने और सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। संस्थान को उद्यमिता शिक्षा, प्रशिक्षण, कौशल विकास, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों की वृद्धि, स्टार्टअप, नवाचार और संस्थान निर्माण के क्षेत्र मे 40 से अधिक वर्षों का अनुभव है। इसे भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय द्वारा कौशल पारितंत्र मे उत्कृष्टता केंद्र के रूप मे मान्यता प्राप्त है। इस संस्थान में स्नातकोत्तर शिक्षा केवल प्रबंधक तैयार करने के लिए नहीं बनाई गई है, बल्कि इसका उद्देश्य स्वामी-प्रबंधक, पारिवारिक व्यवसाय के उत्तराधिकारी, आंतरिक उद्यमी और समुदाय में परिवर्तन लाने वाले नेतृत्वकर्ताओं को तैयार करना है।

**Publication:** Haribhoomi
**Date:** 11 March 2026
**Edition:** Print

# उद्यमिता पारितंत्र को आकार देने में उद्यमिता शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका

**अहमदाबाद।** भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद ने भारत के उद्यमिता पारितंत्र को आकार देने और सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। संस्थान को उद्यमिता शिक्षा, प्रशिक्षण, कौशल विकास, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों की वृद्धि, स्टार्टअप, नवाचार और संस्थान निर्माण के क्षेत्र में 40 से अधिक वर्षों का अनुभव है। इसे भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय द्वारा कौशल पारितंत्र में उत्कृष्टता केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त है। इस संस्थान में स्नातकोत्तर शिक्षा केवल प्रबंधक तैयार करने के लिए नहीं बनाई गई है, बल्कि इसका उद्देश्य स्वामी-प्रबंधक, पारिवारिक व्यवसाय के उत्तराधिकारी, आंतरिक उद्यमी और समुदाय में परिवर्तन लाने वाले नेतृत्वकर्ताओं को तैयार करना है। प्रभावी उद्यमी कौशल, बाजार की अच्छी समझ, टिकाऊ वित्तीय प्रबंधन और स्पष्ट व्यवसाय मॉडल किसी भी व्यवसाय को सहज रूप से आगे बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।

Entrepreneurship Development Institute of India
Ahmedabad

**Publication:** Sach Express
**Date:** 11 March 2026
**Edition:** Print

# उद्यमिता पारितंत्र को आकार देने में उद्यमिता शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका

सच प्रतिनिधि ॥ भोपाल।

भारतीय अर्थव्यवस्था और समाज में उद्यमिता ने एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त कर लिया है। सशक्त सार्वजनिक नीतियां और प्रभावी शासन व्यवस्था इसके विकास को प्रोत्साहित करती हैं तथा उसे संतुलित और रचनात्मक दिशा प्रदान करती हैं। यह क्षेत्र अब एक प्रभावी विकास रणनीति के रूप में उभर चुका है, जो संसाधनों के बेहतर उपयोग, मानव संसाधन, पूंजी, कौशल और अन्य आवश्यक साधनों की सामूहिक शक्ति को संगठित कर उद्यम स्थापित करने में सहायक है। ऐसे उद्यम गरीबी को कम करने, रोजगार सृजन करने और देश के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि करने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

प्रभावी उद्यमी कौशल, बाजार की अच्छी समझ, टिकाऊ वित्तीय प्रबंधन और स्पष्ट व्यवसाय मॉडल किसी भी व्यवसाय को सहज रूप से आगे बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। सुव्यवस्थित कक्षा प्रशिक्षण को व्यावहारिक मार्गदर्शन और वास्तविक अनुभव के साथ जोड़ने से किसी स्टार्टअप की सफलता की संभावना काफी बढ़ जाती है। अहमदाबाद स्थित भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान भारत के उद्यमिता पारितंत्र को आकार देने और सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। संस्थान को उद्यमिता शिक्षा, प्रशिक्षण, कौशल विकास, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों की वृद्धि, स्टार्टअप, नवाचार और संस्थान निर्माण के क्षेत्र में 40 से अधिक वर्षों का अनुभव है। इसे भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय द्वारा कौशल पारितंत्र में उत्कृष्टता केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त है। इस संस्थान में स्नातकोत्तर शिक्षा केवल प्रबंधक तैयार करने के लिए नहीं बनाई गई है, बल्कि इसका उद्देश्य स्वामी-प्रबंधक, पारिवारिक व्यवसाय के उत्तराधिकारी, आंतरिक उद्यमी और समुदाय में परिवर्तन लाने वाले नेतृत्वकर्ताओं को तैयार करना है।

Entrepreneurship Development Institute of India Ahmedabad

**Publication:** Sach Express 2
**Date:** 11 March 2026
**Edition:** Print

# उद्यमिता पारितंत्र को आकार देने में उद्यमिता शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका

**अहमदाबाद** । भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद ने भारत के उद्यमिता पारितंत्र को आकार देने और सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। संस्थान को उद्यमिता शिक्षा, प्रशिक्षण, कौशल विकास, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों की वृद्धि, स्टार्टअप, नवाचार और संस्थान निर्माण के क्षेत्र में 40 से अधिक वर्षों का अनुभव है। इसे भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय द्वारा कौशल पारितंत्र में उत्कृष्टता केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त है।

इस संस्थान में स्नातकोत्तर शिक्षा केवल प्रबंधक तैयार करने के लिए नहीं बनाई गई है, बल्कि इसका उद्देश्य स्वामी-प्रबंधक, पारिवारिक व्यवसाय के उत्तराधिकारी, आंतरिक उद्यमी और समुदाय में परिवर्तन लाने वाले नेतृत्वकर्ताओं को तैयार करना है। प्रभावी उद्यमी कौशल, बाजार की अच्छी समझ, टिकाऊ वित्तीय प्रबंधन और स्पष्ट व्यवसाय मॉडल किसी भी व्यवसाय को सहज रूप से आगे बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। सुव्यवस्थित कक्षा प्रशिक्षण को व्यावहारिक मार्गदर्शन और वास्तविक अनुभव के साथ जोड़ने से किसी स्टार्टअप की सफलता की संभावना काफी बढ़ जाती है।

Entrepreneurship Development Institute of India
Ahmedabad

**Publication:** Samay Jagat
**Date:** 11 March 2026
**Edition:** Print

# भारत के उद्यमिता पारितंत्र को आकार देने में उद्यमिता शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका

एजेंसी | नई दिल्ली

भारतीय अर्थव्यवस्था और समाज में उद्यमिता ने आज एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त कर लिया है। सशक्त सार्वजनिक नीतियां और प्रभावी शासन व्यवस्था इसके विकास को प्रोत्साहित करती हैं तथा उसे संतुलित और रचनात्मक दिशा प्रदान करती हैं। यह क्षेत्र अब एक प्रभावी विकास रणनीति के रूप में उभर चुका है, जो संसाधनों के बेहतर उपयोग, मानव संसाधन, पूंजी, कौशल और अन्य आवश्यक साधनों की सामूहिक शक्ति को संगठित कर उद्यम स्थापित करने में सहायक है। ऐसे उद्यम गरीबी को कम करने, रोजगार सृजन करने और देश के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि करने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। प्रभावी उद्यमी कौशल, बाजार की अच्छी समझ, टिकाऊ वित्तीय प्रबंधन और स्पष्ट व्यवसाय मॉडल किसी भी व्यवसाय को सहज रूप से आगे बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। सुव्यवस्थित कक्षा प्रशिक्षण को व्यावहारिक मार्गदर्शन और वास्तविक अनुभव के साथ जोड़ने से किसी स्टार्टअप की सफलता की संभावना काफी बढ़ जाती है। अहमदाबाद स्थित भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान भारत के उद्यमिता पारितंत्र को आकार देने और सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। संस्थान को उद्यमिता शिक्षा, प्रशिक्षण, कौशल विकास, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों की वृद्धि, स्टार्टअप, नवाचार और संस्थान निर्माण के क्षेत्र में 40 से अधिक वर्षों का अनुभव है। इसे भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय द्वारा कौशल पारितंत्र में उत्कृष्टता केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त है। इस संस्थान में स्नातकोत्तर शिक्षा केवल प्रबंधक तैयार करने के लिए नहीं बनाई गई है, बल्कि इसका उद्देश्य स्वामी-प्रबंधक, पारिवारिक व्यवसाय के उत्तराधिकारी, आंतरिक उद्यमी और समुदाय में परिवर्तन लाने वाले नेतृत्वकर्ताओं को तैयार करना है। यह पाठ्यक्रम वर्ष 1998 में शुरू किया गया था और इसमें नए उद्यम की स्थापना की पूरी प्रक्रिया शामिल है – विचार की उत्पत्ति से लेकर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने तक। विद्यार्थियों को उद्यमिता पारितंत्र की व्यापक समझ प्रदान की जाती है। भारत सरकार की स्टार्टअप पहल के अनुरूप यह पाठ्यक्रम व्यवसाय में प्रौद्योगिकी आधारित नवाचार को प्रोत्साहित करता है। इसका पाठ्यक्रम परिणामोन्मुख है और विद्यार्थियों को अपने विचारों को परखने, नवाचार करने, बाजार का परीक्षण करने और सफल प्रौद्योगिकी आधारित स्टार्टअप स्थापित करने में सक्षम बनाता है।

**Publication:** Marutiwani
**Date:** 11 March 2026
**Edition:** Online
**Link-** https://marutiwani.com/?p=56456

# भारत के उद्यमिता पारितंत्र को आकार देने में उद्यमिता शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका

भारतीय अर्थव्यवस्था और समाज में उद्यमिता ने आज एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त कर लिया है। सशक्त सार्वजनिक नीतियां और प्रभावी शासन व्यवस्था इसके विकास को प्रोत्साहित करती हैं तथा उसे संतुलित और रचनात्मक दिशा प्रदान करती हैं। यह क्षेत्र अब एक प्रभावी विकास रणनीति के रूप में उभर चुका है, जो संसाधनों के बेहतर उपयोग, मानव संसाधन, पूंजी, कौशल और अन्य आवश्यक साधनों की सामूहिक शक्ति को संगठित कर उद्यम स्थापित करने में सहायक है। ऐसे उद्यम गरीबी को कम करने, रोजगार सृजन करने और देश के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि करने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

प्रभावी उद्यमी कौशल, बाजार की अच्छी समझ, टिकाऊ वित्तीय प्रबंधन और स्पष्ट व्यवसाय मॉडल किसी भी व्यवसाय को सहज रूप से आगे बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। सुव्यवस्थित कक्षा प्रशिक्षण को व्यावहारिक मार्गदर्शन और वास्तविक अनुभव के साथ जोड़ने से किसी स्टार्टअप की सफलता की संभावना काफी बढ़ जाती है।

अहमदाबाद स्थित भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान भारत के उद्यमिता पारितंत्र को आकार देने और सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। संस्थान को उद्यमिता शिक्षा, प्रशिक्षण, कौशल विकास, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों की वृद्धि, स्टार्टअप, नवाचार और संस्थान निर्माण के क्षेत्र में 40 से अधिक वर्षों का अनुभव है। इसे भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय द्वारा कौशल पारितंत्र में उत्कृष्टता केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त है।

इस संस्थान में स्नातकोत्तर शिक्षा केवल प्रबंधक तैयार करने के लिए नहीं बनाई गई है, बल्कि इसका उद्देश्य स्वामी-प्रबंधक, पारिवारिक व्यवसाय के उत्तराधिकारी, आंतरिक उद्यमी और समुदाय में परिवर्तन लाने वाले नेतृत्वकर्ताओं को तैयार करना है।

प्रमुख कार्यक्रम

• स्नातकोत्तर प्रबंधन डिप्लोमा – उद्यमिता (पीजीडीएम-ई) दो वर्षीय, पूर्णकालिक, एआईसीटीई से मान्यता प्राप्त

यह पाठ्यक्रम वर्ष 1998 में शुरू किया गया था और इसमें नए उद्यम की स्थापना की पूरी प्रक्रिया शामिल है — विचार की उत्पत्ति से लेकर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने तक। विद्यार्थियों को उद्यमिता पारितंत्र की व्यापक समझ प्रदान की जाती है।

पाठ्यक्रम की प्रमुख विशेषताएं

**Publication:** Navjeevan Express
**Date:** 10 March 2026
**Edition:** Online
**Link-** https://url.uk.m.mimecastprotect.com/s/bUxwCRoy1CJgn74nH9f1S1XGs2?domain=navjeevanexpress.com

# From Classroom to Startup: How entrepreneurship education is powering India's Next Generation of Founders

- **Entrepreneurship Development Institute of India champions enterprise-led education to strengthen India's startup ecosystem**
- **Four decades of training, incubation and mentorship shaping entrepreneurs, innovators and family-business leaders**
- **CrAdLE incubator nurtures 145 startups and mobilises over ₹100 crore in investor funding**
- **Hands-on learning, technology entrepreneurship and real-world immersion redefine management education**

**NE EDUCATION BUREAU**
**GANDHINAGAR, MAR 6**

At a time when innovation and enterprise are increasingly defining India's economic trajectory, entrepreneurship education is emerging as a powerful catalyst for growth, job creation and social transformation.

With the right blend of policy support, governance and institutional leadership, entrepreneurship is steadily evolving into a key development strategy that harnesses human capital, financial resources and technology to build sustainable enterprises. Experts believe that entrepreneurial ventures not only generate employment but also contribute significantly to GDP growth while helping address socio-economic challenges such as poverty.

Institutions like the Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), based in Ahmedabad, are playing a pivotal role in strengthening India's entrepreneurial ecosystem through specialised education, training and incubation support. With more than four decades of experience, EDII has emerged as a major force in entrepreneurship education, MSME development, startup incubation, skill building and institutional capacity creation.

Recognised as a **Centre of Excellence in the skilling ecosystem by the Ministry of Skill Development and Entrepreneurship**, EDII has consistently focused on preparing individuals not merely to manage businesses but to **create and lead enterprises**.

**Publication:** Media Tech
**Date:** 10 March 2026
**Edition:** Online
**Link-** https://mediatech914.wordpress.com/2026/03/06/entrepreneurship-education-plays-a-lead-role-in-shaping-indias-entrepreneurship-ecosystem/

# Entrepreneurship Education Plays a Lead Role in Shaping India's Entrepreneurship Ecosystem

Mediatech / March 6, 2026 / Uncategorized

Bangalore, 6th March 2026 **:** Entrepreneurship has assumed a vital prominence in the Indian economy and society. Strong public policies and good governance structures nurture the developments and direct them in a non-disruptive and constructive manner. The discipline has assumed the potential of a development strategy, efficiently targeting harnessing of resources, amalgamating the power of human resources, capital, skills and other important supplies to create an enterprise which in turn helps combats poverty, creates employment and enhances the country's GDP.

Efficient entrepreneurial skills, good market awareness, sustainable financial management, clear business models can help a business scale up effortlessly. Structured classroom training combined with hands-on mentorship and real-world exposure can significantly improve a startup's chances of success.

**Entrepreneurship Development Institute of India, Ahmedabad** is playing a pivotal role in shaping and strengthening India's entrepreneurial ecosystem. EDII possesses more than 40 years of experience in entrepreneurship education, training, skill building, MSME growth, startups, innovations and institution building. It is a Centre of Excellence in the skilling ecosystem, as recognised by the Ministry of Skill Development and Entrepreneurship, GoI.

At EDII, postgraduate education was never designed to produce only managers; it was designed to produce owner managers, family-business successors, intrapreneurs and community change-makers.

**Flagship Programmes**

- Post Graduate Diploma Management-Entrepreneurship (PGDM-E) *Two-year, full-time, AICTE approved*

*The course, launched in 1998, encompasses the entire New Enterprise Creation process from idea generation to preparation of a detailed project report. The students receive comprehensive knowledge of the entrepreneurial ecosystem*

**Publication:** Silicon Valley
**Date:** 10 March 2026
**Edition:** Online
**Link-** http://blogspot.siliconvillage.net/2026/03/entrepreneurship-education-plays-lead.html

# Entrepreneurship Education Plays A Lead Role In Shaping India's Entrepreneurship Ecosystem

Entrepreneurship has assumed a vital prominence in the Indian economy and society. Strong public policies and good governance structures nurture the developments and direct them in a non-disruptive and constructive manner. The discipline has assumed the potential of a development strategy, efficiently targeting harnessing of resources, amalgamating the power of human resources, capital, skills and other important supplies to create an enterprise which in turn helps combats poverty, creates employment and enhances the country's GDP.

Efficient entrepreneurial skills, good market awareness, sustainable financial management, clear business models can help a business scale up effortlessly. Structured classroom training combined with hands-on mentorship and real-world exposure can significantly improve a startup's chances of success.

Entrepreneurship Development Institute of India, Ahmedabad is playing a pivotal role in shaping and strengthening India's entrepreneurial ecosystem. EDII possesses more than 40 years of experience in entrepreneurship education, training, skill building, MSME growth, startups, innovations and institution building. It is a Centre of Excellence in the skilling ecosystem, as recognised by the Ministry of Skill Development and Entrepreneurship, GoI.

At EDII, postgraduate education was never designed to produce only managers; it was designed to produce owner managers, family-business successors, intrapreneurs and community change-makers.

Flagship Programmes

Post Graduate Diploma Management-Entrepreneurship (PGDM-E) Two-year, full-time, AICTE approved

The course, launched in 1998, encompasses the entire New Enterprise Creation process from idea generation to preparation of a detailed project report. The students receive comprehensive knowledge of the entrepreneurial ecosystem

Course Highlights

New Enterprise Creation specialization to develop first generation entrepreneur.

Family Business Management specialization to ensure sustenance and growth of family business by ensuring a 5-year growth cum diversification plan.

Technology Entrepreneurship specialization to promote tech led enterprises.

Post Graduate Diploma Management- Innovation Entrepreneurship & Venture Development (PGMD-IEV) Two-year, full-time, AICTE approved

Entrepreneurship Development Institute of India
Ahmedabad

**Publication:** Humara Mahanagar
**Date:** 7 March 2026
**Edition:** Print

# भारत के उद्यमिता पारितंत्र को आकार देने में उद्यमिता शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका

**मुंबई।** भारतीय अर्थव्यवस्था और समाज में उद्यमिता ने आज एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त कर लिया है। सशक्त सार्वजनिक नीतियां और प्रभावी शासन व्यवस्था इसके विकास को प्रोत्साहित करती हैं तथा उसे संतुलित और रचनात्मक दिशा प्रदान करती हैं। यह क्षेत्र अब एक प्रभावी विकास रणनीति के रूप में उभर चुका है, जो संसाधनों के बेहतर उपयोग, मानव संसाधन, पूंजी, कौशल और अन्य आवश्यक साधनों की सामूहिक शक्ति को संगठित कर उद्यम स्थापित करने में सहायक है। ऐसे उद्यम गरीबी को कम करने, रोजगार सृजन करने और देश के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि करने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। अहमदाबाद स्थित भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान भारत के उद्यमिता पारितंत्र को आकार देने और सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। संस्थान को उद्यमिता शिक्षा, प्रशिक्षण, कौशल विकास, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों की वृद्धि, स्टार्टअप, नवाचार और संस्थान निर्माण के क्षेत्र में 40 से अधिक वर्षों का अनुभव है।

Entrepreneurship Development Institute of India Ahmedabad

**Publication:** Navbharat- Aurangabad
**Date:** 7 March 2026
**Edition:** Print

# उद्यमिता शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका

**नगर.** भारतीय अर्थव्यवस्था और समाज में उद्यमिता ने आज एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त कर लिया है. सशक्त सार्वजनिक नीतियां और प्रभावी शासन व्यवस्था इसके विकास को प्रोत्साहित करती हैं तथा उसे संतुलित और रचनात्मक दिशा प्रदान करती हैं. यह क्षेत्र अब एक प्रभावी विकास रणनीति के रूप में उभर चुका है, जो संसाधनों के बेहतर उपयोग, मानव संसाधन, पूंजी, कौशल और अन्य आवश्यक साधनों की सामूहिक शक्ति को संगठित कर उद्यम स्थापित करने में सहायक है. ऐसे उद्यम गरीबी को कम करने, रोजगार सृजन करने और देश के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि करने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं. अहमदाबाद स्थित भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान भारत के उद्यमिता पारितंत्र को आकार देने और सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है. संस्थान को उद्यमिता शिक्षा, प्रशिक्षण, कौशल विकास, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों की वृद्धि, स्टार्टअप, नवाचार और संस्थान निर्माण के क्षेत्र में 40 से अधिक वर्षों का अनुभव है.

Entrepreneurship Development Institute of India
Ahmedabad

**Publication:** Mahamaza
**Date:** 7 March 2026
**Edition:** Print

---

# भारताच्या उद्योजकता परिसंस्थेच्या घडणीत उद्योजकता शिक्षणाची अग्रणी भूमिका

**मुंबई:** भारतीय अर्थव्यवस्था आणि समाजामध्ये उद्योजकतेने अत्यंत महत्त्वपूर्ण स्थान प्राप्त केले आहे. सक्षम सार्वजनिक धोरणे आणि सुदृढ गुंतवणूक व्यवस्था या विकास प्रक्रियेला पोषक वातावरण देतात आणि त्यास अधिपालक व विधायक दिशेने मार्गदर्शित करतात. उद्योजकता ही विकास योजना म्हणून प्रभावी ठरली असून, संसाधनांचे परिणामकारक संकलन, मनुष्यबळाची शक्ती, भांडवल, कौशल्ये आणि इतर महत्त्वपूर्ण साधनांच्या यांचे एकत्रीकरण करून उद्योग निर्मिती करण्याची क्षमता तिने सिद्ध केली आहे. परिणामी, दारिद्र्य निर्मूलन, रोजगारनिर्मिती आणि देशाच्या सकल देशांतर्गत उत्पादनात (जीडीपी) वाढ साध्य करण्यास मदत होते.

प्रभावी उद्योजकीय कौशल्ये, सक्षम बाजारज्ञान, शाश्वत आर्थिक व्यवस्थापन आणि स्पष्ट व्यवसाय मॉडेल यांच्या साहाय्याने कोणताही व्यवसाय सहजपणे विस्तार करू शकतो. संरचित वर्गाधारित प्रशिक्षण, प्रत्यक्ष मार्गदर्शन आणि वास्तव जगातील अनुभव यांचा संगम स्टार्टअपच्या यशस्वी होण्याच्या शक्यतांना लक्षणीयरीत्या बळकटी देतो. अहमदाबाद येथील एंटरप्रेन्योरशिप डेव्हलपमेंट इन्स्टिट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआयआय) भारताच्या उद्योजकता परिसंस्थेच्या घडणीत आणि बळकटीकरणात अत्यंत महत्त्वपूर्ण भूमिका बजावत आहे.

उद्योजकता शिक्षण, प्रशिक्षण, क्षमताविकास, एमएसएमई वृद्धी, स्टार्टअप, नवोन्मेष आणि संस्था उभारणी या क्षेत्रांमध्ये ईडीआयआयला 40 वर्षांहून अधिक अनुभव आहे. भारत सरकारच्या कौशल्य विकास आणि उद्योजकता मंत्रालयाने मान्यता दिलेल्या कौशल्य परिसंस्थेतील उत्कृष्टता केंद्र म्हणून ईडीआयआयची ओळख आहे. ईडीआयआयमध्ये पदव्युत्तर शिक्षण केवळ व्यवस्थापक घडविण्यासाठी रचलेले नव्हते; तर ते मालक-व्यवस्थापक, कौटुंबिक व्यवसायांचे उत्तराधिकारी, अंतर्गत उद्योजक आणि समाजपरिवर्तन घडविणारे नेतृत्व निर्माण करण्यासाठी संकल्पित करण्यात आले आहे.

**Publication:** Canon Times
**Date:** 7 March 2026
**Edition:** Print

# Entrepreneurship Education Plays a Lead Role in Shaping India's Entrepreneurship Ecosystem

**Canon Times, Reporter**

Entrepreneurship has assumed a vital prominence in the Indian economy and society. Strong public policies and good governance structures nurture the developments and direct them in a non-disruptive and constructive manner. The discipline has assumed the potential of a development strategy, efficiently targeting harnessing of resources, amalgamating the power of human resources, capital, skills and other important supplies to create an enterprise which in turn helps combats poverty, creates employment and enhances the country's GDP.Efficient entrepreneurial skills, good market awareness, sustainable financial management, clear business models can help a business scale up effortlessly. Structured classroom training combined with hands-on mentorship and real-world exposure can significantly improve a startup's chances of success.Entrepreneurship Development Institute of India, Ahmedabad is playing a pivotal role in shaping and strengthening India's entrepreneurial ecosystem. EDII possesses more than 40 years of experience in entrepreneurship education, training, skill building, MSME growth, startups, innovations and institution building. It is a Centre of Excellence in the skilling ecosystem, as recognised by the Ministry of Skill Development and Entrepreneurship, GoI.At EDII, postgraduate education was never designed to produce only managers; it was designed to produce owner managers, family-business successors, intrapreneurs and community changemakers.Flagship Programmes

- Post Graduate Diploma Management-Entrepreneurship (PGDM-E) Two-year, full-time, AICTE approvedThe course, launched in 1998, encompasses the entire New Enterprise Creation process from idea generation to preparation of a detailed project report. The students receive comprehensive knowledge of the entrepreneurial ecosystemCourse Highlights
- New Enterprise Creation specialization to develop first generation entrepreneur.
- Family Business Management specialization to ensure sustenance and growth of family business by ensuring a 5-year growth cum diversification plan.
- Technology Entrepreneurship specialization to promote tech led enterprises.
- Post Graduate Diploma Management- Innovation Entrepreneurship & Venture Development (PGMD-IEV) Two-year, full-time, AICTE approvedIn keeping with the Government of India's Start Up Initiative the course fosters technology-based innovation in business.

Entrepreneurship
Development
Institute of India
Ahmedabad

**Publication:** Shaurya Times
**Date:** 7 March 2026
**Edition:** Print



# भारत के उद्यमिता पारितंत्र को आकार देने में उद्यमिता शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका

Entrepreneurship
Development
Institute of India
Ahmedabad

Entrepreneurship Development Institute of India
Ahmedabad

**Publication:** Manch Manthan
**Date:** 7 March 2026
**Edition:** Print

# भारत के उद्यमिता पारितंत्र को आकार देने में उद्यमिता शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका

**मंच मंथन, आशीष श्रीवास्तव, नई दिल्ली।** भारतीय अर्थव्यवस्था और समाज में उद्यमिता ने आज एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त कर लिया है। सशक्त सार्वजनिक नीतियां और प्रभावी शासन व्यवस्था इसके विकास को प्रोत्साहित करती हैं तथा उसे संतुलित और रचनात्मक दिशा प्रदान करती हैं। यह क्षेत्र अब एक प्रभावी विकास रणनीति के रूप में उभर चुका है, जो संसाधनों के बेहतर उपयोग, मानव संसाधन, पूंजी, कौशल और अन्य आवश्यक साधनों की सामूहिक शक्ति को संगठित कर उद्यम स्थापित करने में सहायक है। ऐसे उद्यम गरीबी को कम करने, रोजगार सृजन करने और देश के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि करने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। प्रभावी उद्यमी कौशल, बाजार की अच्छी समझ, टिकाऊ वित्तीय प्रबंधन और स्पष्ट व्यवसाय मॉडल किसी भी व्यवसाय को सहज रूप से आगे बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। सुव्यवस्थित कक्षा प्रशिक्षण को व्यावहारिक मार्गदर्शन और वास्तविक अनुभव के साथ जोड़ने से किसी स्टार्टअप की सफलता की संभावना काफी बढ़ जाती है। अहमदाबाद स्थित भारतीय

Entrepreneurship Development Institute of India
Ahmedabad

उद्यमिता विकास संस्थान भारत के उद्यमिता पारितंत्र को आकार देने और सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। संस्थान को उद्यमिता शिक्षा, प्रशिक्षण, कौशल विकास, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों की वृद्धि, स्टार्टअप, नवाचार और संस्थान निर्माण के क्षेत्र में 40 से अधिक वर्षों का अनुभव है। इसे भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय द्वारा कौशल पारितंत्र में उत्कृष्टता केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त है। इस संस्थान में स्नातकोत्तर शिक्षा केवल प्रबंधक तैयार करने के लिए नहीं बनाई गई है, बल्कि इसका उद्देश्य स्वामी-प्रबंधक, पारिवारिक व्यवसाय के उत्तराधिकारी, आंतरिक उद्यमी और समुदाय में परिवर्तन लाने वाले नेतृत्वकर्ताओं को तैयार करना है।

**प्रमुख कार्यक्रम**

-स्नातकोत्तर प्रबंधन डिप्लोमा - उद्यमिता (पीजीडीएम-ई) दो वर्षीय, पूर्णकालिक, एआईसीटीई से मान्यता प्राप्त

यह पाठ्यक्रम वर्ष 1998 में शुरू किया गया था और इसमें नए उद्यम की स्थापना की पूरी प्रक्रिया शामिल है – विचार की उत्पत्ति से लेकर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने तक। विद्यार्थियों को उद्यमिता पारितंत्र की व्यापक समझ प्रदान की जाती है।

**पाठ्यक्रम की प्रमुख विशेषताएं**

-प्रथम पीढ़ी के उद्यमी तैयार करने हेतु नए उद्यम सृजन में विशेषकरण।

-पारिवारिक व्यवसाय की निरंतरता और विकास सुनिश्चित करने के लिए 5 वर्षीय विकास एवं विविधीकरण योजना पर आधारित पारिवारिक व्यवसाय प्रबंधन में विशेषकरण।

**Publication:** APN News
**Date:** 7 March 2026
**Edition:** Online
**Link-** https://www.apnnews.com/entrepreneurship-education-plays-a-lead-role-in-shaping-indias-entrepreneurship-ecosystem/#:~:text=Entrepreneurship%20has%20assumed%20a%20vital,non%2Ddisruptive%20and%20constructive%20manner.

# Entrepreneurship Education Plays a Lead Role in Shaping India's Entrepreneurship Ecosystem

Entrepreneurship has assumed a vital prominence in the Indian economy and society. Strong public policies and good governance structures nurture the developments and direct them in a non-disruptive and constructive manner. The discipline has assumed the potential of a development strategy, efficiently targeting harnessing of resources, amalgamating the power of human resources, capital, skills and othe important supplies to create an enterprise which in turn helps combats poverty, creates employment an enhances the country's GDP.

Efficient entrepreneurial skills, good market awareness, sustainable financial management, clear busine models can help a business scale up effortlessly. Structured classroom training combined with hands-o mentorship and real-world exposure can significantly improve a startup's chances of success.

Entrepreneurship Development Institute of India, Ahmedabad is playing a pivotal role in shaping and strengthening India's entrepreneurial ecosystem. EDII possesses more than 40 years of experience in entrepreneurship education, training, skill building, MSME growth, startups, innovations and institution building. It is a Centre of Excellence in the skilling ecosystem, as recognised by the Ministry of Skill Development and Entrepreneurship, GoI.

At EDII, postgraduate education was never designed to produce only managers; it was designed to produce owner managers, family-business successors, intrapreneurs and community change-makers.

Flagship Programmes

- Post Graduate Diploma Management-Entrepreneurship (PGDM-E) Two-year, full-time, AICTE approved

The course, launched in 1998, encompasses the entire New Enterprise Creation process from idea generation to preparation of a detailed project report. The students receive comprehensive knowledge of the entrepreneurial ecosystem

Course Highlights

- New Enterprise Creation specialization to develop first generation entrepreneur.
- Family Business Management specialization to ensure sustenance and growth of family business by ensuring a 5-year growth cum diversification plan.

**Publication:** Newzdaddy
**Date:** 6 March 2026
**Edition:** Online
**Link** https://www.newzdaddy.com/entrepreneurship-lighting-indias-startup-path/

# Entrepreneurship Lighting India's Startup Path

Entrepreneurship Education Unlocking Powerful Innovation For Young Founders

by Newz Daddy Editor — 6 March 2026 Reading Time: 5 mins read

Entrepreneurship Development Institute of India Ahmedabad

Entrepreneurship Lighting India's Startup Path

## Entrepreneurship Education – Unlocking Powerful Innovation For Young Founders

- Entrepreneurship is becoming a key force in India's economic growth, helping create jobs, reduce poverty and strengthen the country's GDP.
- Entrepreneurship education plays an important role in startup success, as training, mentorship and real-world exposure help founders build sustainable businesses.
- **Entrepreneurship Development Institute of India (EDII),** Ahmedabad, has over 40 years of experience in entrepreneurship education, innovation and startup development.
- EDII's postgraduate programmes focus on building entrepreneurs, including first-generation founders, family business successors and technology innovators.
- The institute's incubator, Centre for Advancing and Launching Enterprises, supports startups with mentoring, technical guidance and funding opportunities.
- EDII combines academic learning with incubation and mentorship, helping create entrepreneurs who

Entrepreneurship Development Institute of India
Ahmedabad

Entrepreneurship has become an important pillar of India's economic growth. Across the country, young people are increasingly choosing to build businesses instead of only seeking jobs. Experts say that entrepreneurship helps create employment, reduce poverty and strengthen the national economy. India today has one of the largest startup ecosystems in the world, supported by digital infrastructure, strong consumer markets and supportive policies. Government initiatives and institutional support have helped many young founders launch new ventures across technology, manufacturing, healthcare and services.

Entrepreneurship Lighting India's Startup Path

Research studies and economic reports show that startups and small businesses play a major role in driving innovation and job creation. These ventures often bring new solutions to everyday problems and help local communities grow economically. In India, entrepreneurship is increasingly seen as a development strategy because it brings together human talent, investment, technology and skills to create enterprises that generate employment and economic value. Academic research on startup ecosystems has also noted that entrepreneurial ventures help improve technological progress, increase competition in markets and contribute to long-term economic transformation.

**Publication:** English Khabarpatri
**Date:** 6 March 2026
**Edition:** Online
**Link**- https://english.khabarpatri.com/2026/03/05/entrepreneurship-education-driving-indias-startup-growth-how-edii-ahmedabad-is-shaping-the-next-generation-of-entrepreneurs/

# Entrepreneurship Education Driving India's Startup Growth: How EDII Ahmedabad is Shaping the Next Generation of Entrepreneurs

**Gandhinagar** : Entrepreneurship is increasingly emerging as a powerful driver of India's economic and social transformation. With supportive government policies, improved access to technology, and growing investor interest, the country has witnessed a significant rise in startups and innovation-led enterprises. Beyond creating new businesses, entrepreneurship is also playing a crucial role in generating employment, strengthening local economies, and contributing to India's GDP growth. However, successful entrepreneurship requires more than just innovative ideas. Strong entrepreneurial skills, market awareness, sustainable financial management, and well-defined business models are essential to transform ideas into scalable enterprises. Structured entrepreneurship education therefore plays a critical role by combining academic learning with practical exposure, mentorship, and real-world business experience.

Institutions dedicated to entrepreneurship education are becoming key pillars of India's startup ecosystem. Among them, the **Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), Ahmedabad**, has been playing a pioneering role for more than four decades. Recognised as a **Centre of Excellence in the skilling ecosystem by the Ministry of Skill Development and Entrepreneurship, Government of India**, EDII focuses on nurturing entrepreneurs who can build sustainable businesses and create wider

**Publication:** PNI
**Date:** 6 March 2026
**Edition:** Online
**Link**- https://www.pninews.com/amp/entrepreneurship-education-plays-a-lead-role-in-shaping-indias-entrepreneurship-ecosystem/

# Entrepreneurship Education Plays a Lead Role in Shaping India's Entrepreneurship Ecosystem

PNI Admin 18 hours ago

Entrepreneurship has assumed a vital prominence in the Indian economy and society. Strong public policies and good governance structures nurture the developments and direct them in a non-disruptive and constructive manner. The discipline has assumed the potential of a development strategy, efficiently targeting harnessing of resources, amalgamating the power of human resources, capital, skills and other important supplies to create an enterprise which in turn helps combats poverty, creates employment and enhances the country's GDP.

Efficient entrepreneurial skills, good market awareness, sustainable financial management, clear business models can help a business scale up effortlessly. Structured classroom training combined with hands-on mentorship and real-world exposure can significantly improve a startup's chances of success.

Entrepreneurship Development Institute of India, Ahmedabad is playing a pivotal role in shaping and strengthening India's entrepreneurial ecosystem. EDII possesses more than 40 years of experience in entrepreneurship education, training, skill building, MSME growth, startups, innovations and institution building. It is a Centre of Excellence in the skilling ecosystem, as recognised by the Ministry of Skill Development and
At EDII, postgraduate education was never designed to produce only managers; it was designed to produce owner managers, family-business successors, intrapreneurs and community change-makers.

Flagship Programmes

Post Graduate Diploma Management-Entrepreneurship (PGDM-E) Two-year, full-time, AICTE approved

The course, launched in 1998, encompasses the entire New Enterprise Creation process from idea generation to preparation of a detailed project report. The students receive comprehensive knowledge of the entrepreneurial ecosystem

Course Highlights

New Enterprise Creation specialization to develop first generation entrepreneur.

Family Business Management specialization to ensure sustenance and growth of family business by ensuring a 5-year growth cum diversification plan.

Technology Entrepreneurship specialization to promote tech led enterprises.

Post Graduate Diploma Management- Innovation Entrepreneurship & Venture Development (PGMD-IEV) Two-year, full-time, AICTE approved

**Publication:** News Strike
**Date:** 6 March 2026
**Edition:** Online
**Link**- https://thenewsstrike.com/entrepreneurship-education-plays-a-lead-role-in-shaping-indias-entrepreneurship-ecosystem

# Entrepreneurship Education Plays a Lead Role in Shaping India's Entrepreneurship Ecosystem

Entrepreneurship has assumed a vital prominence in the Indian economy and society. Strong public policies and good governance structures nurture the developments and direct them in a non-disruptive and constructive manner. The discipline has assumed the potential of a development strategy, efficiently targeting harnessing of resources, amalgamating the power of human resources, capital, skills and other important supplies to create an enterprise which in turn helps combats poverty, creates employment and enhances the country's GDP.

Efficient entrepreneurial skills, good market awareness, sustainable financial management, clear business models can help a business scale up effortlessly. Structured classroom training combined with hands-on mentorship and real-world exposure can significantly improve a startup's chances of success.

**Entrepreneurship Development Institute of India, Ahmedabad** is playing a pivotal role in shaping and strengthening India's entrepreneurial ecosystem. EDII possesses more than 40 years of experience in entrepreneurship education, training, skill building, MSME growth, startups, innovations and institution building. It is a Centre of Excellence in the skilling ecosystem, as recognised by the Ministry of Skill Development and Entrepreneurship, GoI.

At EDII, postgraduate education was never designed to produce only managers; it was designed to produce owner managers, family-business successors, intrapreneurs and community change-